भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 4724
गुरुवार, 21 अगस्त, 2025/30 श्रावण, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

मदुरै विमानपत्तन का विस्तार

4724. श्री सु. वेंकटेशन:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) मदुरै विमानपत्तन पर अंतर्राष्ट्रीय टर्मिनल के प्रस्तावित विस्तार की वर्तमान स्थिति क्या है;
(ख) क्या बड़े अंतर्राष्ट्रीय विमानों को समायोजित करने के लिए हवाई पट्टी के विस्तार हेतु भूमि अधिग्रहण का कार्य पूरा कर लिया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ग) मदुरै विमानपत्तन पर टैक्सी-वे, कार्गो टर्मिनल और यात्री लाउंज जैसी महत्वपूर्ण अवसंरचना के उन्नयन के लिए क्या समय-सीमा निर्धारित की गई है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (ग): हवाईअड्डों का विस्तार और उन्नयन एक सतत प्रक्रिया है और इस कार्य को भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) और अन्य हवाईअड्डा प्रचालकों द्वारा समय-समय पर भूमि की उपलब्धता, वाणिज्यिक व्यवहार्यता, सामाजिक-आर्थिक सरोकारों, ऐसे हवाईअड्डों के लिए/हवाईअड्डों से यातायात की मांग/परिचालन करने हेतु एयरलाइनों की स्वेच्छा के आधार पर किया जाता है।

मदुरै हवाईअड्डे पर मौजूदा एकीकृत टर्मिनल भवन लगभग 17560 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला हुआ है और प्रति वर्ष 2.9 मिलियन यात्रियों की व्यवस्था करने में सक्षम है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने तमिलनाडु राज्य सरकार से व्यापक हवाईअड्डा विकास की सुविधा के लिए 653.35 एकड़ भूमि का अनुरोध किया है, जिसमें कोड-ई प्रकार के विमान के परिचालन के लिए रनवे को 2285 मीटर से 3810 मीटर तक विस्तारित करना, रनवे पट्टी, एप्रन, समानांतर टैक्सी ट्रैक, टर्मिनल भवन, कार्गो टर्मिनल, आदि का विकास कार्य शामिल है।

राष्ट्रीय नागर विमानन नीति, 2016 के अनुसार, हवाईअड्डे के विकास के लिए भूमि संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन द्वारा भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) को निःशुल्क तथा किसी भी प्रकार के बाधा से मुक्त प्रदान की जानी है। भूमि की कुल आवश्यकता में से 543.41 एकड़ भूमि अब तक राज्य सरकार द्वारा भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) को सौंप दी गई है।

हवाईअड्डा परियोजनाओं के पूरा होने की समय-सीमा कई कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें भूमि अधिग्रहण, विनियामक मंजूरियाँ, बाधाओं को दूर करना और संबंधित हवाईअड्डा विकसकर्ताओं द्वारा वित्तीय समापन शामिल हैं।

******